समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 80

हिंदी `अ'
सी.बी.एस.ई.
प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र–2020-21
(बोर्ड द्वारा प्रेषित)

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 1

हल सहित

सामान्य निर्देश :

(i) प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं– खंड 'अ' और 'ब'।

(ii) खंड 'अ' में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिये गये हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।

(iii) खंड 'ब' में कुल 7 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड `अ' वस्तुपरक–प्रश्न

अपठित गद्यांश

1. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 1 = 5$

गद्यांश- 1 यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश- 1 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

गद्यांश-1

उन्नीसवीं शताब्दी से पहले, मानव और पशु दोनों की आबादी भोजन की उपलब्धता तथा प्राकृतिक विपदाओं आदि के कारण सीमित रहती थी। कालांतर में जब औद्योगिक क्रांति के कारण मानव सभ्यता की समृद्धि में भारी वृद्धि हुई, तब उसके परिणामस्वरूप कई पश्चिमी देश ऐसी बाधाओं से लगभग अनिवार्य रूप से मुक्त हो गए। इससे वैज्ञानिकों ने अंदाजा लगाया कि अब मानव जनसंख्या विस्फोटक रूप से बढ़ सकती है, परन्तु इन देशों में परिवारों का औसत आकार घटने लगा था और जल्दी ही समृद्धि और प्रजनन के बीच एक उलटा संबंध प्रकाश में आ गया था।

जीवविज्ञानियों ने मानव समाज की तुलना जानवरों की दुनिया से कर इस सम्बन्ध को समझाने की कोशिश की और कहा कि ऐसे जानवर जिनके अधिक बच्चे होते हैं, वे अधिकतर प्रतिकूल वातावरण में रहते हैं और ये वातावरण प्राय: उनके लिए प्राकृतिक खतरों से भरे रहते हैं। चूंकि इनकी संतानों के जीवित रहने की संभावना कम होती है, इसलिए कई संतानें पैदा करने से यह संभावना बढ़ जाती है कि उनमें से कम से कम एक या दो जीवित रहेंगी। इसके विपरीत, जिन जानवरों के बच्चे कम होते हैं, वे स्थिर और अनुकूल वातावरण में रहते हैं। ठीक इसी प्रकार यदि समृद्ध वातावरण में रहने वाले लोग केवल कुछ ही बच्चे पैदा करते हैं, तो उनके ये कम बच्चे उन बच्चों को पछाड़ देंगे जिनके परिवार इतने समृद्ध नहीं थे तथा इनकी आपस की प्रतिस्पर्धा भी कम होगी।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

इस सिद्धांत के आलोचकों का तर्क है कि पशु और मानव व्यवहार की तुलना नहीं की जा सकती है। वे इसके बजाए यह तर्क देते हैं कि सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन इस घटना को समझाने के लिए पर्याप्त हैं। श्रम-आश्रित परिवारों में बच्चों की बड़ी संख्या एक वरदान के समान होती है। वे जल्दी काम कर परिवार की आय बढ़ाते हैं। जैसे-जैसे समाज समृद्ध होता जाता है, वैसे-वैसे बच्चे जीवन के लगभग पहले 25-30 सालों तक शिक्षा ग्रहण करते हैं। जीवन के प्रारंभिक वर्षों में उर्वरता अधिक होती है तथा देर से विवाह के कारण संतानों की संख्या कम हो जाने की संभावना बनती रहती है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए—

(i) निम्नलिखित में से कौन-सा ऊपर लिखित पाठ्यांश का प्राथमिक उद्देश्य है? **1**

(क) मानव परिवारों के आकार के संबंध में दिए उस स्पष्टीकरण की आलोचना जो पूरी तरह से जानवरों की दुनिया से ली गई टिप्पणियों पर आधारित है

(ख) औद्योगिक क्रांति के बाद अपेक्षित जनसंख्या विस्फोट न होने के कारणों की विवेचना

(ग) औद्योगिक क्रांति से पहले और बाद में पर्यावरणीय प्रतिबंधों और सामाजिक दृष्टिकोणों से परिवार का आकार कैसे प्रभावित हुआ, का अन्तर्सम्बन्ध दर्शाना

(घ) परिवार का आकार बढ़ी हुई समृद्धि के साथ घटता है इस तथ्य को समझने के लिए दो वैकल्पिक सिद्धांत प्रस्तुत करना

(ii) पाठ्यांश के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा जनसंख्या विस्फोट के विषय में सत्य है? **1**

(क) पश्चिमी देशों में यह इसलिए नहीं हुआ क्योंकि औद्योगीकरण से प्राप्त समृद्धि ने परिवारों को बच्चों की शिक्षा की विस्तारित अवधि को वहन करने का सामर्थ्य प्रदान किया था

(ख) यह घटना विश्व के उन क्षेत्रों तक सीमित है, जहाँ औद्योगिक क्रांति नहीं हुई है

(ग) श्रम आधारित अर्थव्यवस्था में केवल उद्योग के आधार पर ही परिवार का आकार निर्भर रहता है

(घ) इसकी भविष्यवाणी पश्चिमी देशों में औद्योगिक क्रांति के समय जीवित कुछ लोगों द्वारा की गई थी

(iii) अंतिम अनुच्छेद निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य करता है? **1**

(क) यह पहले अनुच्छेद में वर्णित घटना के लिए एक वैकल्पिक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है

(ख) यह दूसरे अनुच्छेद में प्रस्तुत स्पष्टीकरण की आलोचना करता है

(ग) यह वर्णन करता है कि समाज के समृद्ध होने के साथ सामाजिक दृष्टिकोण कैसे बदलते हैं

(घ) यह दूसरे अनुच्छेद में प्रस्तुत घटना की व्याख्या करता है

(iv) पाठ्यांश में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख औद्योगिक देशों में औसत परिवार का आकार हाल ही में गिरने के एक संभावित कारण के रूप में नहीं किया गया है? **1**

(क) शिक्षा की विस्तारित अवधि (ख) पहले की अपेक्षा देरी से विवाह करना

(ग) बदला हुआ सामाजिक दृष्टिकोण (घ) औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में मजदूरों की बढ़ती माँग

(v) पाठ्यांश में दी गई कौन-सी जानकारी बताती है कि निम्नलिखित में से किस जानवर के कई बच्चे होने की संभावना है? **1**

(क) एक विशाल शाकाहारी जो घास के मैदानों में रहता है और अपनी संतानों की भरसक सुरक्षा करता है

(ख) एक सर्वभक्षी जिसकी आबादी कई छोटे द्वीपों तक सीमित है और जिसे मानव अतिक्रमण से खतरा है

(ग) एक मांसाहारी जिसका कोई प्राकृतिक शिकारी नहीं है, लेकिन उसे भोजन की आपूर्ति बनाए रखने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है

(घ) एक ऐसा जीव जो मैदानों और झीलों में कई प्राणियों का शिकार बनता है

अथवा

गद्यांश-2

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश- 2 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

विज्ञान-शिक्षण के पक्षधरों ने कल्पना की थी कि शिक्षा में इसकी शुरूआत पारंपरिकता, कृत्रिमता और पिछड़ेपन को दूर करेगी। यह सोच पुराने समय से चली आ रही—'तथ्य प्रचुर पाठ्यचर्या' जिसके अंतर्गत-आलोचना, चुनौती, सृजनात्मकता व विवेचनात्मकता का अभाव

था, आदि के कारण पैदा हो रही थी। मानवतावादियों ने सोचा था कि वैज्ञानिक–पद्धति मध्यकालीन मतवाद के अंधविश्वासों को जड़ से मिटा देगी, किंतु हमारे शिक्षकों ने रासायनिक प्रतिक्रियाओं की समझ को भी प्रेमचंद की कहानियों की तरह केवल पढ़ा व रटा कर उन्हें नीरस बना दिया।

शिक्षा में विज्ञान–शिक्षण सम्मिलित करने के लिए यह तर्क दिया गया था कि इससे बच्चे विज्ञान की खोजों से परिचित हो सकेंगे तथा अपने वास्तविक जीवन में घट रही घटनाओं के बारे में कुछ सीखेंगे। वे वैज्ञानिक विधि का अध्ययन कर तार्किक रूप से कैसे सोचना है, के कौशल में परांगत होंगे। इन उद्देश्यों में से केवल पहले ही में एक सीमित सफलता मिली है। दूसरे व तीसरे में व्यावहारिक रूप से बच्चे कुछ भी नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं। अधिकतर बच्चों से भौतिकी और रसायन विज्ञान के तथ्यों के बारे में कुछ जानने की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन वे शायद ही जानते हों कि उनका कंप्यूटर अथवा कार का इंजन कैसे कार्य करते हैं अथवा क्यों उनकी माता जी सब्जी पकाने के लिए उसे छोटे टुकड़ों में काटती हैं, जबकि वैज्ञानिक पद्धति में रुचि रखने वाले किसी भी उज्ज्वल लड़के को ये बातें सहज रूप से ही ज्ञात हो जाती हैं।

वैज्ञानिक पद्धति की शिक्षा अधिकांश विद्यालयों में भली प्रकार से नहीं दी जा रही है। दरअसल, शिक्षकों ने अपनी सुविधा और परीक्षा केंद्रित सोच के कारण, यह सुनिश्चित कर लिया है कि छात्र वैज्ञानिक पद्धति न सीख कर ठीक इसका उल्टा सीखें अर्थात् वे जो बताएँ, उस पर आँख मूंद कर विश्वास करें और पूछे जाने पर उसे जस का तस परीक्षा में लिख दें। वैज्ञानिक पद्धति को आत्मसात् करने के लिए लंबे व्यक्तिगत अनुभव तथा परिश्रम व धैर्य पर आधारित वैज्ञानिक मूल्यों की आवश्यकता होती है और जब तक इसे संभव बनाने के लिए शैक्षिक या सामाजिक प्रणालियों को बदल नहीं दिया जाता है, वैज्ञानिक तकनीकों में सक्षम केवल कुछ बच्चे ही सामने आएँगे तथा इन तकनीकों को आगे विकसित करने वालों की संख्या इसका भी अंश मात्र ही होगी।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए–

(i) लेखक का तात्पर्य है कि शिक्षकों ने– **1**

(क) अपने सीमित ज्ञान के कारण विज्ञान पढ़ाने में रुचि नहीं ली है

(ख) विज्ञान शिक्षा को लागू करने के प्रयासों को विफल किया है

(ग) बच्चों को अनुभव आधारित ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है

(घ) मानवतावादियों का समर्थन करते हुए कार्य किया है?

(ii) स्कूल शिक्षा में विज्ञान शिक्षण के प्रति लेखक का क्या रवैया है? **1**

(क) तटस्थ (ख) सकारात्मक

(ग) व्यंग्यात्मक (घ) नकारात्मक

(iii) उपर्युक्त पाठ्यांश निम्नलिखित में से किस दशक में लिखा गया होगा ? **1**

(क) 1950-60 (ख) 1970-80

(ग) 1980-90 (घ) 2000-10

(iv) लेखक वैज्ञानिक पद्धति को लागू करने में विफलता के लिए निम्नलिखित किस कारक को सबसे अधिक जिम्मेदार ठहराता है? **1**

(क) शिक्षक (ख) परीक्षा के तरीके

(ग) प्रत्यक्ष अनुभव की कमी (घ) सामाजिक और शिक्षा प्रणाली

(v) यदि लेखक वर्तमान समय में आकर विज्ञान शिक्षण का प्रभाव सुनिश्चित करना चाहे तो निम्नलिखित में से किस प्रश्न के उत्तर में दिलचस्पी लेगा? **1**

(क) क्या छात्र दुनिया के बारे में अधिक जानते हैं?

(ख) क्या छात्र प्रयोगशालाओं में अधिक समय बिताते हैं?

(ग) क्या छात्र अपने ज्ञान को तार्किक रूप से लागू कर सकते हैं?

(घ) क्या पाठ्यपुस्तकों में तथ्याधारित सामग्री बढ़ी है?

अपठित पद्यांश

2. नीचे दो पद्यांश दिए गए हैं। किसी एक पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 1 = 5

पद्यांश- 1 यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए पद्यांश- 1 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

पद्यांश-1

कोई खंडित, कोई कुंठित,
कृश बाहु, पसलियाँ रेखांकित,
टहनी सी टाँगें, बढ़ा पेट,
टेढ़े मेढ़े, विकलांग घृणित!
विज्ञान चिकित्सा से वंचित,
ये नहीं धात्रियों से रक्षित,
ज्यों स्वास्थ्य सेज हो, ये सुख से
लोटते धूल में चिर परिचित!
पशुओं सी भीत मूक चितवन,
प्राकृतिक स्फूर्ति से प्रेरित मन,
तृण तरुओं-से उग-बढ़, झर-गिर,
ये ढोते जीवन क्रम के क्षण!
कुल मान न करना इन्हें वहन,
चेतना ज्ञान से नहीं गहन,
जग जीवन धारा में बहते
ये मूक, पंगु बालू के कण!

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए–

(i) काव्यांश आपके अनुसार किस विषय पर लिखा गया है? **1**

(क) गाँव के बच्चों में कुपोषण की समस्या (ख) गाँव के बच्चों में चेतना ज्ञान का अभाव
(ग) गाँवों में चिकित्सा सुविधाओं का अभाव (घ) गाँव के बच्चों की दयनीय दशा का वर्णन

(ii) दूसरे पद में कवि कह रहा है कि– **1**

(क) गाँव में विज्ञान की शिक्षा नहीं दी जा रही है
(ख) गाँव में शिशु जन्म हेतु पर्याप्त दाइयाँ नहीं हैं
(ग) गाँव में बच्चे स्वास्थ्य के प्रति सजग रहकर शारीरिक व्यायाम कर रहे हैं
(घ) गाँव में बच्चे अपने मित्रों के साथ धूल में कुश्ती जैसे खेल खेल रहे हैं

(iii) गाँव के बच्चों की स्थिति कैसी है? **1**

(क) कुपोषित, खिन्न तथा अशिक्षित है (ख) क्षीणकाय, किन्तु कुल के मान का ध्यान करने वाले हैं
(ग) प्राकृतिक वातावरण में रहते हुए स्फूर्ति से भरे हुए हैं (घ) पशुओं की तरह बलिष्ठ परन्तु असहाय व मूक हैं

(iv) काव्यांश में कवि का रवैया कैसा प्रतीत होता है? **1**

(क) वे बच्चों की दशा के विषय में व्यंग कर मनोरंजन करना चाह रहे हैं
(ख) वे बच्चों की दशा की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं
(ग) वे तटस्थ रहकर बच्चों की शारीरिक व मानसिक दशा का वर्णन कर रहे हैं
(घ) वे बच्चों की शारीरिक व मानसिक दशा से संतुष्ट प्रतीत होते हैं

(v) तृण-तरुओं से उग-बढ़....., इस पंक्ति का अर्थ है? **1**

(क) घास-फूस की तरह हल्के हैं, इसलिए तिनकों की तरह उड़ रहे हैं

(ख) पौधों तथा घास की तरह बिना कुछ खाये पिए बढ़ रहे हैं

(ग) घास तथा पौधों की तरह पैदा हो रहे हैं तथा मर रहे हैं

(घ) प्राकृतिक वातावरण में घास व पौधों की तरह फल-फूल रहे हैं

अथवा

पद्यांश-2

यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए पद्यांश- 2 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

टकराएगा नहीं आज उद्धत लहरों से,
कौन ज्वार फिर तुझे पार तक पहुँचाएगा?
अब तक धरती अचल रही पैरों के नीचे,
फूलों की दे ओट सुरभि के घेरे खींचे,
पर पहुँचेगा पथी दूसरे तट पर उस दिन,
जब चरणों के नीचे सागर लहराएगा।
गर्त शिखर बन, उठे लिए भंवरों का मेला,
हुए पिघल ज्योतिष्क तिमिर की निश्छल बेला,
तू मोती के द्वीप स्वप्न में रहा खोजता,
तब तो बहता समय शिला-सा जम जाएगा,
धूल पोंछ काँटे मत गिन छाले मत सहला
मत ठंडे संकल्प आंसुओं से तू बहला,
तुझसे हो यदि अग्नि-स्नात यह प्रलय महोत्सव
तभी मरण का स्वस्ति-गान जीवन गाएगा
टकराएगा नहीं आज उन्मद लहरों से
कौन ज्वार फिर तुझे दिवस तक पहुँचाएगा।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए—

(i) दिये काव्यांश का क्या उद्देश्य प्रतीत होता है? **1**

(क) आत्मविश्वास जगाने हेतु द्रष्टांत प्रस्तुति (ख) हर हाल में कार्य करने की प्रेरणा

(ग) जागृति व उत्साहित करने हेतु प्रेरणा (घ) जीवन दर्शन के विषय में प्रोत्साहन

(ii) तू मोती के द्वीप स्वप्न में रहा खोजता—पंक्ति का भाव है— **1**

(क) मोतियों के समान आंसुओं को स्वप्न में आने वाले सुंदर द्वीपों पर नष्ट नहीं करना चाहिए

(ख) मोती के द्वीप खोजने के लिए सागर में दूर-दूर जाकर कष्टदायी विचरण करना होगा

(ग) जीवन संसाधनों के लिए यथार्थ में रहकर प्रयत्न करना होगा

(घ) यदि ऐसा होगा तो जीवन शिला-सा जम जाएगा

(iii) तुझसे हो यदि अग्नि स्नात—पंक्ति का क्या अर्थ है— **1**

(क) यदि तुम जीवन की कष्टतम परिस्थिति झेल लोगे तो जीवन तुम्हारे बलिदान की प्रशंसा करेगा

(ख) यदि तुम आग के दरिया में डूबकर जाने को तैयार हो तो जीवन-मरण के बंधन से मुक्त हो सकोगे

(ग) जीवन प्रलय के महोत्सव में आग लगाने वाला ही सफलतम वीर कहलाएगा

(घ) यदि तुम जीवन में बलिदान करोगे तो जग सदा तुम्हारे जीवन की सराहना करेगा

(iv) समय को गतिशील करने के लिए क्या आवश्यक है? **1**

(क) समय का सदुपयोग कर मानव कल्याण में लगे रहना

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(ख) तुच्छ कार्यों में संलग्न न रहकर समय नष्ट होने से बचाना

(ग) अपने हाल की परवाह न करते हुए सकारात्मक भाव से कार्य करते रहना

(घ) 'टाल-मटोल-समय का चोर' कथानानुसार स्वस्ति (शुभ) कार्य करने में टाल-मटोल न करना

(v) काव्यांश के अनुसार, 'फूलों की ओट व सुरभि के घेरे'—व्यक्ति के जीवन में क्या कार्य कर सकते हैं? **1**

(क) वे व्यक्ति के जीवन को अपनी सुगंध से शांत व एकाग्र कर सकते हैं

(ख) वे अपने औषद्यीय गुणों से व्यक्ति का जीवन व्याधिमुक्त कर सकते हैं

(ग) वे उसे लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग से विचलित कर सकते हैं

(घ) फूल उर्वरता व समृद्धि का प्रतीक हैं। वे जीवन में ईश्वर के प्रति निकटता लाने में सहायक हो सकते हैं

व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— 4

(i) 'हर्षिता बहुत विनम्र है और सर्वत्र सम्मान प्राप्त करती है।'—रचना के आधार पर वाक्य-भेद है? **1**

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) साधारण वाक्य

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है— **1**

(क) मैंने एक वृद्ध की सहायता की

(ख) जो विद्यार्थी परिश्रमी होता है, वह अवश्य सफल होता है

(ग) अध्यापिका ने अवनि की प्रशंसा की तथा उसका उत्साह बढ़ाया

(घ) नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया

(iii) 'प्रयश बाजार गया। वहाँ से सेब लाया।' —इस वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण होगा— **1**

(क) प्रयश बाजार गया और वहाँ से सेब लाया (ख) प्रयश सेब लाया जब वह बाजार गया

(ग) प्रयश बाजार जाकर सेब लाया (घ) जब प्रयश बाजार गया तो वहाँ से सेब लाया

(iv) 'जो वीर होते हैं, वे रणभूमि में अपनी वीरता का प्रदर्शन करते हैं।'— रेखांकित उपवाक्य का भेद है? **1**

(क) संज्ञा आश्रित उपवाक्य (ख) सर्वनाम आश्रित उपवाक्य

(ग) क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य (घ) विशेषण आश्रित उपवाक्य

(v) निम्नलिखित में सरल वाक्य है— **1**

(क) प्रात:काल हुआ और सूरज की किरणें चमक उठीं (ख) जब प्रात:काल हुआ, सूरज की किरणें चमक उठीं

(ग) प्रात:काल होते ही सूरज की किरणें चमक उठीं (घ) जैसे ही प्रात:काल हुआ सूरज की किरणें चमक उठीं

4. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— 4

(i) इस वाक्य का वाच्य लिखिए—'अशोक ने विश्व को शांति का संदेश दिया।' **1**

(क) कर्मवाच्य (ख) भाववाच्य

(ग) कर्तृवाच्य (घ) करणवाच्य

(ii) 'हम इस खुले मैदान में दौड़ सकते हैं।'—उपर्युक्त वाक्य को भाव वाच्य में बदलिए। **1**

(क) हम दौड़ सकते हैं, इस खुले मैदान में (ख) हम इस खुले मैदान में दौड़ सकेंगे

(ग) हमसे इस खुले मैदान में दौड़ा जाएगा (घ) हमसे इस खुले मैदान में दौड़ा जा सकता है

(iii) 'सुमन जल्दी नहीं उठती।'—प्रस्तुत वाक्य को भाववाच्य में बदलिए। **1**

(क) सुमन जल्दी नहीं उठ पाती (ख) सुमन जल्दी से नहीं उठ सकेगी

(ग) सुमन जल्दी नहीं उठ पाएगी (घ) सुमन से जल्दी नहीं उठा जाता

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छांटिए— **1**

(क) अरविंद द्वारा कल पत्र लिखा जाएगा (ख) बच्चों द्वारा नमस्कार किया गया

(ग) सरकार द्वारा लोक कलाकारों का सम्मान किया गया (घ) नेताजी ने देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया

OSWAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(v) निम्नलिखित में से कौन-सा भाग वाच्य का सही विकल्प नहीं है? **1**

(क) मुझसे अब देखा नहीं जाता (ख) आइए चला जाए

(ग) हमें धोखा दिया जा रहा है (घ) राधा से बोला नहीं जाता

5. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— 4

(i) 'सूरदास ने सूरसागर की रचना की।'—रेखांकित पद का परिचय है— **1**

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक (घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(ii) 'वह नित्य घूमने जाता है।'—रेखांकित पद का परिचय है— **1**

(क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता

(ख) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता

(ग) अव्यय, स्थानवाचक क्रिया विशेषण, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता

(घ) अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता

(iii) 'तालाब में कमल खिलते हैं।'—रेखांकित पद का परिचय है— **1**

(क) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

(ख) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

(ग) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

(घ) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य

(iv) 'रंग-बिरंगे फूल देखकर मन प्रसन्न हो गया।'—रेखांकित पद का परिचय है— **1**

(क) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'फूल विशेष्य का विशेष

(ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'फूल विशेष्य का विशेष

(ग) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'फूल विशेष्य का विशेष

(घ) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'फूल विशेष्य का विशेष

(v) 'प्रधानाचार्य ने आपको बुलाया है।'—रेखांकित पद का परिचय है— **1**

(क) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

(ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ग) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(घ) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

6. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए— 4

(i) भय की अधिकता में किस रस की निष्पत्ति होती है? **1**

(क) वीर रस (ख) करुण रस

(ग) भयानक रस (घ) रौद्र रस

(ii) 'निर्वेद' किस रस का स्थायी भाव है? **1**

(क) शांत रस (ख) करुण रस

(ग) हास्य रस (घ) शृंगार रस

(iii) 'तनकर भाला यूँ बोल उठा
राणा मुझको विश्राम न दें।
मुझको वैरी से हृदय-क्षोभ
तू तनिक मुझे आराम न दें।'

OSWAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में निहित रस है—

(क) वीर रस (ख) शांत रस

(ग) करुण रस (घ) रौद्र रस **1**

(iv) किस रस को 'रसराज' भी कहा जाता है?

(क) शांत रस (ख) करूण रस

(ग) हास्य रस (घ) शृंगार रस

(v) 'वीभत्स रस' का स्थायी भाव है?

(क) उत्साह (ख) शोक

(ग) जुगुप्सा (घ) हास

पाठ्य-पुस्तक

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए— **5 × 1 = 5**

खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे—साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते, कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते, किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते, किसी की चीज नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता। कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे 'साहब' के दरबार में ले जाते—जो उनके घर से चार कोस दूर पर था—एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाता। 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुजर चलाते!

(i) लेखक ने बालगोबिन भगत को साधु क्यों कहा जाता है? **1**

(क) वे साधु के समान दिखते थे

(ख) वे मोह-माया से दूर थे

(ग) वे सच्चे साधुओं जैसा ही उत्तम आचार-विचार रखते थे

(घ) वे किसी से झगड़ा नहीं करते थे

(ii) बालगोबिन भगत का कौन-सा कार्य-व्यवहार लोगों के आश्चर्य का विषय था? **1**

(क) जीवन के सिद्धांतों और आदर्शों का गहराई से अपने आचरण में पालन करना

(ख) गीत गाते रहना

(ग) किसी से झगड़ा न करना

(घ) अपना काम स्वयं करना

(iii) बालगोबिन भगत कबीर के आदर्शों पर चलते थे क्योंकि— **1**

(क) कबीर भगवान का रूप थे (ख) वे कबीर की विचारधारा से प्रभावित थे

(ग) कबीर उनके गाँव के मुखिया थे (घ) कबीर उनके मित्र थे

(iv) बालगोबिन भगत के खेत में जो कुछ पैदा होता, उसे वे सर्वप्रथम किसे भेंट कर देते। **1**

(क) गरीबों को (ख) मंदिर में

(ग) घर में (घ) कबीरपंथी मठ में

(v) 'वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज 'साहब' की थी।'—यहाँ 'साहब' से क्या आशय है? **1**

(क) गुरु (ख) मुखिया

(ग) कबीर (घ) भगवान

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए— **2 × 1 = 2**

(i) 'नेताजी का चश्मा' कहानी में कैप्टन कौन था? **1**

(क) हालदार साहब (ख) पान वाला

(ग) चश्मे बेचने वाला (घ) अध्यापक

(ii) फादर कामिल बुल्के का हिन्दी प्रेम किस प्रसंग से प्रकट होता है? **1**

(क) उन्होंने प्रामाणिक अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश तैयार किया (ख) भारत आकर पढ़ना

(ग) 'परिमल' के सदस्यों से गहरा लगाव (घ) भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग थे

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए— **5 × 1 = 5**

हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौ लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनकी मन चकरी॥

(i) गोपियों ने अपनी तुलना हारिल की पक्षी से क्यों की है? **1**

(क) हारिल पक्षी सदैव लकड़ी लिए उड़ता है (ख) गोपियों को हारिल पक्षी पसंद है

(ग) श्रीकृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम के कारण (घ) श्रीकृष्ण के प्रति अपनी नाराजगी के कारण

(ii) 'नंद-नंदन' विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? **1**

(क) श्रीकृष्ण के लिए (ख) गोपियों के लिए

(ग) उद्धव के लिए (घ) नंद के लिए

(iii) गोपियाँ किसे व्याधि कह रही हैं? **1**

(क) उद्धव की बातों को (ख) उद्धव के योग ज्ञान को

(ग) श्रीकृष्ण के विरह को (घ) श्रीकृष्ण के प्रेम को

(iv) गोपियों को योग-साधना कैसी लगती है? **1**

(क) हारिल की लकड़ी की तरह (ख) हारिल पक्षी के समान

(ग) जिसे कभी न देखा हो (घ) कड़वी ककड़ी के समान

(v) गोपियाँ योग का संदेश किनके लिए उपयुक्त समझती हैं? **1**

(क) जो श्रीकृष्ण से प्रेम नहीं करते (ख) जिनका मन स्थिर नहीं है

(ग) जिनका मन स्थिर है (घ) श्रीकृष्णा के लिए

10. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए— **2 × 1 = 2**

(i) क्रोधित होते हुए भी परशुराम जी ने लक्ष्मण का वध क्यों नहीं किया?

(क) लक्ष्मण ने शिव-धनुष भंग नहीं किया था (ख) लक्ष्मण को कम आयु का बालक जानकर

(ग) सभा में सब उपस्थित थे (घ) वे ब्राह्मण थे

(ii) 'कन्यादान' कविता में स्त्री जीवन के बंधन किसे कहा गया है?

(क) समाज को (ख) अशिक्षा को

(ग) अत्याचारों को (घ) वस्त्रों-आभूषणों को

खण्ड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न

पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए— **2 × 4 = 8**

(i) हालदार साहब कैप्टन को देखकर अवाक् क्यों रह गए? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) बालगोबिन भगत जी अपनी पतोहू को उत्सव मनाने को क्यों कहते हैं?

(iii) 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने खीरा खाने से मना क्यों किया?

(iv) फादर कामिल बुल्के एक संन्यासी थे, परन्तु पारंपरिक अर्थ में हम उन्हें संन्यासी क्यों नहीं कह सकते?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए— **2 × 3 = 6**

(i) 'उत्साह' कविता में कवि निराला ने 'नवजीवन वाले' विशेषण का प्रयोग किसके लिए किया है और क्यों?

(ii) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फागुन में उमड़े प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

(iii) धनुष भंग करने वाली सभा में एकत्रित जन 'हाय-हाय' क्यों पुकारने लगे थे? 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए— **3 × 2 = 6**

(i) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि तत्कालीन व वर्तमान समय में बच्चों की खेल-सामग्रियों में क्या परिवर्तन आए हैं? बच्चों के खेलों में हुए परिवर्तनों का उनके मूल्यों पर कितना प्रभाव पड़ा है?

(ii) सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिंता और बदहवासी दिखाई देती है। वह उनकी किस मानसिकता को दर्शाती है? स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में कहा गया है कि 'कटाओ' पर किसी दुकान का न होना वरदान है, ऐसा क्यों? भारत के अन्य प्राकृतिक स्थानों को वरदान बनाने में युवा नागरिक की क्या भूमिका हो सकती है।

लेखन

14. निम्नलिखित में किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए—

1 × 5 = 5

(i) परीक्षा से पहले मेरी मनोदशा

- परीक्षा नाम से भय, • पर्याप्त तैयारी, • प्रश्न पत्र देखकर भय दूर हुआ।

(ii) कोरोना वायरस

- कोरोना का संक्रमण, • बचाव के उपाय, • लॉकडाउन के सकारात्मक प्रभाव।

(iii) जंक फूड

- जंक फूड क्या होता है?, • युवा पीढ़ी और जंक फूड, • जंक फूड खाने के दुष्परिणाम।

15. एक दैनिक समाचार पत्र के संपादक को अपनी कविता प्रकाशित करवाने का अनुरोध करते हुए एक पत्र 80-100 शब्दों में शब्दों में लिखिए। **1 × 5 = 5**

अथवा

छात्रावास में रहने वाले अपने छोटे भाई को एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखकर प्रात:काल नियमित रूप से योग एवं प्राणायाम का अभ्यास करने के लिए प्रेरित कीजिए।

16. पर्यावरण विभाग की ओर से जल-संरक्षण का आग्रह करते हुए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

1 × 5 = 5

अथवा

'रोशनी' मोमबत्ती बनाने वाली कंपनी के लिए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

17. अपनी छोटी बहन के जन्मदिवस पर उसे एक बधाई संदेश 30-40 शब्दों में लिखिए। **1 × 5 = 5**

अथवा

'शिक्षक दिवस' के अवसर पर अपने हिन्दी शिक्षक के लिए एक भावपूर्ण संदेश 30-40 शब्दों में लिखिए।

●●

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 80

हिंदी `अ'
सी.बी.एस.ई.
उत्तरमाला
(बोर्ड अंक योजना सहित)

प्रतिदर्श प्रश्न–पत्र 1

खण्ड `अ'

1. **5 × 1 = 5**

(i) **(घ)** परिवार का आकार बढ़ी हुई समृद्धि के साथ घटता है। इस तथ्य को समझने के लिए दो वैकल्पिक सिद्धांत प्रस्तुत करना **1**

(ii) **(घ)** इसकी भविष्यवाणी पश्चिमी देशों में औद्योगिक क्रांति के समय जीवित कुछ लोगों द्वारा की गई थी। **1**

(iii) **(क)** यह पहले अनुच्छेद में वर्णित घटना के लिए एक वैकल्पिक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है **1**

(iv) **(घ)** औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में मजदूरों की बढ़ती माँग **1**

(v) **(घ)** एक ऐसा जीव जो मैदानों और झीलों में कई प्राणियों का शिकार बनता है **1**

अथवा

(i) **(ख)** विज्ञान शिक्षा को लागू करने के प्रयासों को विफल किया है **1**

(ii) **(घ)** नकारात्मक **1**

(iii) **(क)** 1950-60 **1**

(iv) **(ग)** प्रत्यक्ष अनुभव की कमी **1**

(v) **(ग)** क्या छात्र अपने ज्ञान को तार्किक रूप से लागू कर सकते हैं? **1**

2. **5 × 1 = 5**

(i) (घ) गाँव के बच्चों की दयनीय दशा का वर्णन **1**

(ii) **(ख)** गाँव में शिशु जन्म हेतु पर्याप्त दाइयाँ नहीं हैं **1**

(iii) **(क)** कुपोषित, खिन्न तथा अशिक्षित हैं **1**

(iv) **(ख)** वे बच्चों की दशा की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं **1**

(v) **(ग)** घास तथा पौधों की तरह पैदा हो रहे हैं तथा मर रहे हैं **1**

अथवा

(i) **(ख)** हर हाल में कार्य करने की प्रेरणा **1**

(ii) **(ग)** जीवन संसाधनों के लिए यथार्थ में रहकर प्रयत्न करना होगा **1**

(iii) **(क)** यदि तुम जीवन की कष्टतम परिस्थिति झेल लोगे तो जीवन तुम्हारे बलिदान की प्रशंसा करेगा **1**

(iv) **(ग)** अपने हाल की परवाह न करते हुए सकारात्मक भाव से कार्य करते रहना **1**

(v) **(ग)** वे उसे लक्ष्य प्राप्ति के मार्ग से विचलित कर सकते हैं **1**

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

3. **[1 × 4 = 4]**

(i) **(ग)** संयुक्त वाक्य **1**

(ii) **(ख)** जो विद्यार्थी परिश्रमी होता है, वह अवश्य सफल होता है **1**

(iii) **(क)** प्रयश बाजार गया और वहाँ से सेब लाया **1**

(iv) **(घ)** विशेषण आश्रित उपवाक्य **1**

(v) **(ग)** प्रात:काल होते ही सूरज की किरणें चमक उठीं **1**

4. **[1 × 4 = 4]**

(i) **(ग)** कर्तृ वाच्य **1**

(ii) **(घ)** हमसे इस खुले मैदान में दौड़ा जा सकता है **1**

(iii) **(घ)** सुमन से जल्दी नहीं उठा जाता **1**

(iv) **(घ)** नेताजी ने देश के लिए अपना सब कुछ त्याग दिया **1**

(v) **(ग)** हमें धोखा दिया जा रहा है **1**

5. **[1 × 4 = 4]**

(i) **(ग)** व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक **1**

(ii) **(घ)** अव्यय, कालवाचक क्रिया विशेषण, 'घूमने जाता है' क्रिया की विशेषता **1**

(iii) **(ख)** अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृ वाच्य **1**

(iv) **(ख)** गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'फूल विशेष्य का विशेषण **1**

(v) **(ग)** मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक **1**

6. **[1 × 4 = 4]**

(i) **(घ)** रौद्र रस **1**

(ii) **(क)** शांत रस **1**

(iii) **(क)** वीर रस **1**

(iv) **(घ)** श्रृंगार रस **1**

(v) **(ग)** जुगुप्सा **1**

7. **[5]**

(i) **(ग)** वे सच्चे साधुओं जैसा ही उत्तम आचार-विचार रखते थे **1**

(ii) **(क)** जीवन के सिद्धांतों और आदर्शों का गहराई से अपने आचरण में पालन करना **1**

(iii) **(ख)** वे कबीर की विचारधारा से प्रभावित थे **1**

(iv) **(घ)** कबीरपंथी मठ में **1**

(v) **(ग)** कबीर **1**

8. **[5]**

(i) **(ग)** चश्मे बेचने वाला **1**

(ii) **(क)** उन्होंने प्रामाणिक अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश तैयार किया **1**

9. **[5]**

(i) **(ग)** श्रीकृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम के कारण **1**

(ii) **(क)** श्रीकृष्ण के लिए **1**

(iii) **(ख)** उद्धव के योग ज्ञान को **1**

(iv) **(घ)** कड़वी ककड़ी के समान **1**

(v) **(ख)** जिनका मन स्थिर नहीं है **1**

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

10. **2 × 1 = 2**

(i) **(ख)** लक्ष्मण को कम आयु का बालक जानकर **1**

(ii) **(घ)** वस्त्रों-आभूषणों को **1**

खण्ड 'ब'

11. **2 × 4 = 8**

(i) हालदार साहब की कल्पना थी कि कैप्टन प्रभावशाली व्यक्तित्व का स्वामी होगा पर उनकी कल्पना के विपरीत कैप्टन अत्यंत बूढ़ा, कमजोर और लंगड़ा आदमी था। ऐसा निर्धन, बूढ़ा तथा कमज़ोर-सा व्यक्ति भी देशभक्ति से ओत-प्रोत हो सकता है यह देखकर हालदार साहब अवाक् रह गए। **(सी.बी.एस.ई. अंक योजना, 2020) 2**

व्याख्यात्मक हल :

जब तक हालदार साहब ने कैप्टन को साक्षात् नहीं देखा था तो उनके मानसपटल पर कैप्टन के रूप में एक अनुशासित, प्रभावशाली व्यक्तित्व के स्वामी, हृष्ट-पुष्ट सैनिक की छवि अंकित थी। अपनी कल्पना के विपरीत कैप्टन को अत्यंत बूढ़े, कमजोर, निर्धन और दिव्यांग व्यक्ति के रूप में सामने पाकर हालदार साहब अवाक् रह गए। वे कैप्टन जैसे व्यक्ति में व्याप्त असीम देशभक्ति की भावना का अनुभव कर श्रद्धा से नतमस्तक हो गए।

(ii) भगत जी का मानना था कि आत्मा परमात्मा का अंश है। वह सदा परमात्मा से मिलने के लिए तड़पती है, जब व्यक्ति मरता है, तो आत्मा परमात्मा से मिल जाती है। उसकी तड़पन समाप्त हो जाती है, इसलिए भगतजी अपनी पतोहू को उत्सव मनाने की बात कह रहे थे। **(सी.बी.एस.ई. अंक योजना, 2020) 2**

व्याख्यात्मक हल :

भगत के अनुसार मृत्यु शोक का कारण न होकर उत्सव मनाने का दिन होता है। बालगोबिन भगत का मानना था कि आत्मा परमात्मा का ही अंश है। मृत्यु के पश्चात् विरहिणी आत्मा इस शरीर को छोड़कर अपने प्रिय परमात्मा से जा मिलती है। अत: इससे अधिक आनंद की बात क्या होगी ? अपने इसी विश्वास के कारण वे अपने पुत्र की मृत्यु के बाद भी भजन गाते रहे और अपनी पुत्रवधू को भी रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते हैं।

(iii) लेखक कुछ समय पहले नवाब साहब द्वारा रखे गए खीरे खाने के आमंत्रण को ठुकरा चुके थे, अत: अब आत्मसम्मान निभाना आवश्यक समझने के कारण उन्होंने खीरा खाने से इंकार कर दिया। **(सी.बी.एस.ई. अंक योजना, 2020) 2**

व्याख्यात्मक हल :

लेखक नवाब साहब के अकस्मात् हुए भाव-परिवर्तन को स्वीकार नहीं कर पा रहे थे। उन्हें लगा कि वे लेखक को मामूली आदमी समझ रहे हैं इसलिए अपने स्वाभिमान की रक्षा करते हुए लेखक ने नवाब साहब के खीरा खाने के आग्रह को पहले अस्वीकार कर दिया था। इसीलिए बाद में अनुकूल परिस्थितियाँ तथा खीरा खाने की इच्छा होते हुए भी लेखक ने आत्मसम्मान में नवाब साहब के आग्रह को दोबारा नकार/ठुकरा दिया।

(iv) लेखक के फादर कामिल बुल्के की उपस्थिति को देवदार की छाया के सदृश्य इसलिए कहा है क्योंकि फादर का विशाल व्यक्तित्व मिलने वालों को शांति, सुकून, आशीर्वाद, प्यार एवं अपनत्व से भर देता था। **(सी.बी.एस.ई. अंक योजना, 2020) 2**

व्याख्यात्मक हल :

फादरबुल्के ने परम्परागत संन्यासी से अलग एक नई छवि प्रस्तुत की। वे केवल संकल्प से संन्यासी थे, मन से नहीं। सामान्यत: संन्यासी के मन में किसी के प्रति विशेष लगाव नहीं होता, जबकि फादर बुल्के के मन में अपनी माँ तथा परिचितों के प्रति विशेष स्नेह था। वे बखूबी रिश्ते निभाते थे। अपने प्रियजनों के घर समय-समय पर उत्सवों और संस्कारों में शामिल होते थे। संकट के समय उनसे सहानुभूति रख धैर्य बँधाते थे। संन्यासी की तरह न रहकर आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से उन्होंने अध्यापन कार्य भी किया।

12. **2 × 3 = 6**

(i) कवि 'निराला' ने 'नवजीवन वाले' बादलों के लिए प्रयोग किया है। बादलों की विशेषता है कि तप्त धरती के ताप को शांत कर प्रकृति को नया जीवन देते हैं। प्रकृति की प्रफुल्लता के साथ-साथ इनके द्वारा पशु-पक्षी, मानव सभी में नवीन उत्साह का संचार होता है। **(सी.बी.एस.ई. अंक योजना, 2020) 2**

व्याख्यात्मक हल :

'उत्साह' कविता में कवि ने नवजीवन वाले 'विशेषण' का प्रयोग बादलों के लिए किया है। बादल नवसृजन का प्रतीक हैं। बादल बरसकर अपनी शीतल फुहारों से ग्रीष्म ऋतु की तपन से त्रस्त जनमानस एवं जीव-जंतुओं को राहत पहुँचा कर उनमें उत्साह, स्फूर्ति और प्रसन्नता का संचार करते हैं। वे धरती के ताप को शांत कर सूखी हुई वनस्पतियों को फिर से हरा-भरा कर उन्हें नवजीवन प्रदान करते हैं।

(ii) फागुन मास में चारों ओर प्राकृतिक सौंदर्य और उल्लास दिखाई पड़ता है। सरसों के पीले फूलों की चादर बिछ जाती है। लताएँ और डालियाँ रंग-बिरंगे फूलों से सज जाती हैं। पर्यावरण स्वयं प्रफुल्लित हो उठता है।

(सी.बी.एस.ई. अंक योजना, 2020) 2

व्याख्यात्मक हल :

फागुन मास में प्राकृतिक सौन्दर्य का परमोत्कर्ष देखा जा सकता है। यह मास बसंत ऋतु का स्वागत मास होता है। वृक्षों की डालियों पर हरे पत्तों और लाल कोंपलों के मध्य सुगन्धित रंग-बिरंगे पुष्पों की शोभा ऐसी प्रतीत होती है जैसे वृक्षों के गले में सुगन्धित पुष्पों की मालाएँ पड़ी हों। सर्वत्र उल्लास, उत्साह और प्रफुल्लता का वातावरण छा जाता है। मानव मन पर भी इस सौन्दर्य का व्यापक प्रभाव पड़ता है और फागुन मास के सौन्दर्य से अभिभूत हो उसे अपलक निहारने का मन करता है।

(iii) सभा में परशुराम और लक्ष्मण के मध्य बहुत तीखी नोंक-झोंक हो गई। परशुराम तो स्वभाव से क्रोधी थे ही। लक्ष्मण ने बालक होने पर भी अपने व्यंग्य-वचनों से उनके क्रोध को भड़का दिया। लक्ष्मण द्वारा बहुत तीखे कटाक्ष करने पर सभा में एकत्रित लोग 'हाय-हाय' कहने लगे। **(सी.बी.एस.ई. अंक योजना, 2020) 2**

व्याख्यात्मक हल :

राजा जनक की सभा में श्री राम द्वारा शिव-धनुष के भंग होने के पश्चात् क्रोधित परशुराम एवं लक्ष्मण के मध्य बहुत तीखी नोंक-झोंक और बहस होने लगी। परशुराम तो अत्यंत क्रोधी स्वभाव के थे ही, वहीं लक्ष्मण भी अपने व्यंग्य बाणों से उनकी क्रोधाग्नि को और भड़का रहे थे। परशुराम की गर्वोक्तियाँ सुनकर लक्ष्मण भी तीखे कटाक्ष करने लगे जिन्हें सुनकर परशुराम क्रोध में अपना फरसा सँभालने लगे, यह देखकर सभा में हाहाकार मच गया। वहाँ उपस्थित सभी लोग हाय-हाय पुकारने लगे।

13. **3 + 3 = 6**

(i) 'माता का आँचल' पाठ में भोलानाथ और उसके साथियों के खेल सामूहिक रूप से मिल जुलकर खेले जाते थे। उनके खेलने की सामग्री बच्चों द्वारा स्वयं निर्मित की जाती थी। घर की अनुपयोगी वस्तु ही उनके खेल की सामग्री बन जाती थी जबकि आज प्लास्टिक के खिलौने और इलैक्ट्रॉनिक खिलौनों का प्रचलन है। खेल-सामग्री में आए अंतर ने बच्चों के नैतिक मूल्यों को भी प्रभावित किया है। वर्तमान समय में बच्चों द्वारा जो खेल खेले जाते हैं, उन्होंने बच्चों को एकाकी बना दिया है। उनमें सहयोग, सहभागिता, सामाजिकता जैसे गुण धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। **(सी.बी.एस.ई. अंक योजना, 2020) 3**

व्याख्यात्मक हल :

'माता का आँचल' पाठ में रची गयी बच्चों की दुनिया की पृष्ठभूमि ग्रामीण जीवन पर आधारित है। बच्चे सामूहिक रूप से खेलते थे। घर की अनुपयोगी वस्तुओं से बच्चे स्वयं ही खेल सामग्री का निर्माण करते थे। बच्चों द्वारा चिड़िया पकड़ने का प्रयास करना, पेड़ों पर चढ़ना, चूहे के बिल में पानी उलीचना, वर्षा के पानी में भींगना, गुड्डे-गुड़ियों का ब्याह रचाना आदि खेल आधुनिक परिवेश में दिखाई नहीं देते हैं। आज शहरी परिवेश में रहने वाले बच्चे क्रिकेट, वॉलीबॉल, वीडियो गेम, लूडो, प्लास्टिक से बने और इलैक्ट्रॉनिक खिलौनों से खेलते हैं।

खेल-सामग्री और खेलने के तरीकों में आए इस बदलाव ने बच्चों को एकाकी बना दिया है। उनमें परस्पर सहयोग, भावना, सहभागिता और सामाजिकता जैसे नैतिक जीवन मूल्य लुप्त होते जा रहे हैं।

(ii) सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिंता और बदहवासी दिखाई देती है, वह उनकी गुलाम मानसिकता को दर्शाती है। उनके मन में आज भी अंग्रेजों की गुलामी और स्वामिभक्ति बसी हुई है। उन्हें अंग्रेजों के मान-सम्मान की चिंता अपने मान-सम्मान से अधिक है। इस तरह सरकारी तंत्र अपनी मानसिक गुलामी और चाटुकारिता को दर्शाता है।

(सी.बी.एस.ई. अंक योजना, 2020) 3

व्याख्यात्मक हल :

इस बदहवासी का प्रमुख कारण भारतवासियों की सदियों की परतंत्रता से उत्पन्न गुलाम मानसिकता और सरकारी तंत्र की चाटुकारिता की प्रवृत्ति है। सरकारी तंत्र उस जॉर्ज पंचम की नाक के लिए चिंतित है, जिसने भारतवासियों पर न जाने कितने जुल्म ढाए। उसके अत्याचारों को भुलाकर सरकारी अधिकारी उसके सम्मान को बचाने में जुट जाते हैं। ऐसा करके सरकारी तंत्र अपनी अयोग्यता, मूर्खता, गुलाम मानसिकता और चाटुकारिता की प्रवृत्ति का परिचय देता है।

(iii) 'कटाओ' पर किसी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है। यदि इस स्थान पर दुकानें होती तो व्यापारिक गतिविधियाँ बढ़ जातीं, वाहनों का आवागमन बढ़ता जिससे प्रदूषण तथा तापमान बढ़ जाता। भारत के अन्य प्राकृतिक स्थानों को वरदान बनाने में युवा नागरिक की भूमिका—वहाँ स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, सार्वजनिक वाहनों का प्रयोग करें, वृक्षों को न काटें, नदियों के जल को दूषित न करें, प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग न करें, लोगों को पर्यावरण के विषय में जागरूक करें।

(सी.बी.एस.ई. अंक योजना, 2020) 3

व्याख्यात्मक हल :

'कटाओ' पर किसी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है क्योंकि यदि वहाँ पर भी दुकानें खुल जाएँगी तो उस स्थान का व्यवसायीकरण हो जाएगा। ऐसे में शायद वहाँ का प्राकृतिक सौन्दर्य नष्ट हो जाएगा। अभी वहाँ आने-जाने वाले लोगों की संख्या सीमित है। दुकानें खुलने पर आने वाले पर्यटक यहाँ गंदगी फैलाएंगे। वाहनों के आवागमन से यहाँ के तापमान और प्रदूषण में भी वृद्धि होगी।

इस स्थान और अन्य पर्यटन स्थलों की सुंदरता को बनाए रखने में युवा नागरिक महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। वे इन स्थलों की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, वृक्षों को न काटें, सार्वजनिक वाहनों का प्रयोग करें, नदियों एवं अन्य जल स्रोतों को दूषित न करें एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें। साथ ही लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करें।

14. **5 × 1 = 5**

(i) **परीक्षा से पहले मेरी मनोदशा**

परीक्षा का समय विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उनके परिश्रम की सफलता परीक्षा के परिणाम पर निर्भर करती है इसीलिए विद्यार्थियों पर उसका दबाव बढ़ जाता है। मेरी वार्षिक परीक्षा से पूर्व मेरी भी कुछ ऐसी ही मनोदशा थी। इस समय खेलकूद, टी.वी. और मनोरंजन को छोड़कर मेरा पूरा ध्यान केवल पढ़ाई पर केंद्रित था। मेरे माता-पिता भी इसमें मेरा पूरा सहयोग कर रहे थे। यद्यपि मेरी सभी विषयों की तैयारी बहुत अच्छी थी फिर भी मन में आशंका रहती थी कि कोई प्रश्न ऐसा न हो जिसे मैं हल न कर सकूँ। इसलिए प्रथम परीक्षा के दिन मैंने अपने सहपाठियों से भी अधिक बात नहीं की। परीक्षा कक्ष में पहुँचकर मैंने ईश्वर का स्मरण करके अपने मन को एकाग्र किया। प्रश्न-पत्र हाथ में आते ही मेरा दिल तेजी से धकड़ने लगा पर उसे देखते ही मैं खुशी से झूम उठी क्योंकि सभी प्रश्न मुझे बहुत अच्छी तरह आते थे। मैंने अपना प्रश्न-पत्र निर्धारित समय में बहुत अच्छी तरह हल किया।

(ii) **कोरोना वायरस**

वैश्विक महामारी कोविड-19 या कोरोना वायरस (सीओवी) अत्यंत सूक्ष्म (छोटा) किन्तु प्रभावी वायरस है। (दिसम्बर 2019 में चीन के बुहान से शुरू हुए इस घातक वायरस ने विश्व के अनेक देशों में लाखों लोगों को अकाल मृत्यु का शिकार बना दिया। इसके प्रारम्भिक लक्षणों में सर्दी, जुकाम, बुखार, नाक बहना, गले में खराश और बाद में साँस लेने में तकलीफ होना, किडनी फेल होना तथा अंत में मृत्यु होना जैसे दुष्परिणाम सामने आए। इससे बचाव के लिए आवश्यक है कि हम बार-बार साबुन से हाथ धोएँ, अनावश्यक घर से न निकलें, सामाजिक दूरी का पालन और मास्क का उपयोग करें, संक्रमित होने पर अन्य लोगों से दूरी बनाकर रखें। कोरोना के संक्रमण को तेजी से फैलने से रोकने हेतु सरकार द्वारा समय-समय पर लॉकडाउन घोषित किया गया। सभी शिक्षण संस्थाएँ बंद करके विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षण सुविधा प्रदान की जा रही है। अभी कोविड-19 से बचाव का

टीका नहीं बना है। अत: आवश्यक है कि हम भयमुक्त हों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशों का पालन करें, पौष्टिक आहार लें। योग-व्यायाम करें तथा पुस्तकों से दोस्ती करें।

(iii) **जंक फूड**

आजकल जंक फूड अपने स्वाद, लोगों की अत्यधिक व्यस्त दिनचर्या, आसानी से बन जाने तथा सस्ता होने के कारण बहुत लोकप्रिय हो गया है। इस बाहर मिलने वाले अत्यधिक कैलोरी युक्त जंक फूड जैसे बर्गर, पिज्जा, मोमो, टिक्की, पेटी, चाऊमीन आदि को बच्चे ही नहीं बड़े भी बहुत शौक से खाते हैं। पोषक तत्वों की कमी के कारण यह स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है, क्योंकि यह अत्यधिक कार्बोहाइड्रेट, उच्च स्तरीय वसा, लवणता और कॉलेस्ट्रोल युक्त भोजन होता है। वैज्ञानिक शोधों से ज्ञात हुआ है कि जंक फूड का स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके नियमित सेवन से मोटापा, उच्च रक्तचाप, हड्डियों संबंधी रोग, मधुमेह, पाचन तंत्र संबंधी समस्याएँ, मानसिक विकार, यकृत विकार आदि दुष्परिणाम हो सकते हैं। माता-पिता को बच्चों में पौष्टिक आहार ग्रहण करने की आदतें विकसित करनी चाहिए तथा जंक फूड खाने से रोकना चाहिए। हमें स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए जंक फूड से बचना चाहिए।

15. **5 × 1 = 5**

सेवा में,

संपादक

दैनिक जागहरण

नई दिल्ली

विषय—स्वरचित कविता प्रकाशित कराने के सन्दर्भ में

महोदय

आपके लोकप्रिय समाचारपत्र के विशिष्ट साहित्यिक परिशिष्ट में समय-समय पर प्रकाशित होने वाले लेख, कहानियाँ एवं कविताएँ सदैव ही साहित्य प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र रही हैं। सभी रचनाएँ स्तरीय, ज्ञानवर्धक एवं रोचक होती हैं। कविता लेखन में मेरी बाल्यकाल से ही रुचि रही है। इन रचनाओं से प्रेरित होकर मैंने भी मनुष्य जीवन की सार्थकता पर एक कविता लिखी है, जो मैं आपके समाचार पत्र के माध्यम से पाठकों तक पहुँचाना चाहती हूँ। मैं अपने पत्र के साथ वह काव्य-रचना संलग्न कर रही हूँ।

आशा है आप मेरे इस अनुरोध को स्वीकार कर अपने समाचार पत्र के लोकप्रिय स्तंभ में उसे स्थान देकर मुझे कृतार्थ करेंगे।

निवेदिका

अ.ब.स.

म. सं. 22, न्यू कॉलोनी

गंगानगर

मेरठ (उत्तर प्रदेश)

दिनांक : 14.04.20XX

अथवा

12/34 साकेत नगर

नई दिल्ली

23 मार्च, 20XX

प्रिय अनुज

सस्नेह आशीर्वाद

तुम्हारे पत्र से ज्ञात हुआ कि तुम छात्रावास में रहकर पूरे मनोयोग से अध्ययन कर रहे हो तथा उसका परिणाम भी बहुत अच्छा मिल रहा है। मुझे पता है कि तुम अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण सजग हो परन्तु कई बार तुम अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह हो जाते हो, यह उचित नहीं है। मेरी सलाह है कि तुम प्रात:काल छात्रावास के प्रांगण में भ्रमण करने जाया करो। प्रात:काल खुली हवा में भ्रमण करने से मन में स्फूर्ति का संचार होता है। इसके बाद अपने कमरे में या यदि संभव हो तो प्राकृतिक वातावरण में कुछ यौगिक क्रियाओं और ध्यान मुद्रा का अभ्यास किया करो। योगाभ्यास तन और मन दोनों के लिए लाभ होता है।

मुझे आशा है कि तुम मेरी सलाह पर गंभीरता से विचार करके अवश्य उस पर अमल करोगे। माता जी व पिताजी भी तुम्हें बहुत याद करते हैं। अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना।

तुम्हारा अग्रज

क.ख.ग.

16. **5 × 1 = 5**

जल ही जीवन का आधार, संरक्षण से होगा उद्धार

पृथ्वी की सतह पर जो दो-तिहाई जल है उसमें से बहुत कम मात्रा में ही पीने योग्य शेष है। इसलिए आइए हम सब जल के संरक्षण के लिए संकल्प लें कि—अधिक से अधिक वृक्षारोपण करेंगे तथा जल-स्रोतों की रक्षा करेंगे। पानी की एक भी बूँद व्यर्थ नहीं गँवाएँगे।

'जल की हर एक बूँद अनमोल

जल बचाएँ, अपना जीवन बचाएँ

पर्यावरण विभाग द्वारा जनहित में जारी

अथवा

आ गई अंधकार को दूर भगाने और आपके घर को प्रकाशित करने जगमग करती

रोशनी मोमबत्ती

सजावटी मोमबतियाँ, पानी में तैरने वाले मोम के दीये और मोमबत्तियाँ गुणवत्ता की गारंटी, लंबे समय तक प्रकाश देने वाली, सस्ते दामों में उपलब्ध

दीपावली के अवसर पर विशेष छूट और आकर्षक उपहारों का लाभ उठाएँ

सभी प्रमुख जनरल स्टोर्स पर उपलब्ध

संपर्क : मो. : 9832.....

17. **[5]**

बधाई संदेश

22.03.20XX प्रातः 4:00 बजे

प्रिय बहन सुरभि

जन्मदिन की असंख्य शुभकामनाएँ एवं हार्दिक बधाई

बुलबुलों की तरह तू चहकती रहे, खुशबुओं की तरह तू महकती रहे।

दिल से निकली है आज बस ये ही दुआ, तू मुस्कराती रहे गुनगुनाती रहे॥

ईश्वर तुम्हें स्वास्थ्य, समृद्धि, यश एवं उन्नति प्रदान करें। आने वाला प्रत्येक नया दिन तुम्हारे जीवन में खुशियाँ और अपार सफलताएँ लेकर आए। तुम्हें संसार की सारी खुशियाँ प्राप्त हों। ईश्वर की कृपा तुम पर सदैव बनी रहे।

सौरभ/रागिनी

अथवा

5 सितम्बर, 20..... **शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ**

परमश्रद्धेय गुरुवर

ज्ञान ज्योति प्रज्ज्वलित करके दूर किया अज्ञान का अंधकार,

जीवन पथ पर राह दिखाई, दिए मनुष्यता के संस्कार।
आत्मबल, उत्साह बढ़ाकर सद्कर्मों का दिया है ज्ञान,
शत-शत वंदन करते गुरुवर, हर पल करते आपका गुणगान॥

आपने अपने असीमित ज्ञान से हमारा जीवन पथ आलोकित कर कर्त्तव्यनिष्ठ बनने की प्रेरणा दी। आपका कोटिशः धन्यवाद। हम शिक्षार्थी सदैव आपके स्नेह एवं मार्गदर्शन के लिए आपके ऋणी रहेंगे।

.....

संपर्क : मो. : 9832.....

❑❑

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE